

Date-01/05/2026

भाषा विश्वविद्यालय में हुआ 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' का भव्य आयोजन

उत्तर प्रदेश की माननीय कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशों के अनुपालन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिनमें छात्रों ने गुजरात की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं एवं कला को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. काज़िम रिज़वी और मोहसिन हैदर द्वारा निर्मित एक 10 मिनट की प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री रही, जिसमें गुजरात की सांस्कृतिक विरासत, राजनीतिक पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक महत्व को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित दर्शकों को राज्य की समृद्ध परंपराओं से परिचित कराया। स्थापना दिवस को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति से परिचित कराते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही। प्रो. तनेजा ने गुजरात स्थापना दिवस को प्रदेश की राज्यपाल से जोड़ते हुए आनंदीबेन पटेल के कार्य और व्यवहार से सीखने की सलाह दी। प्रो. तनेजा ने गुजरात राज्य के औद्योगिक कौशल से भी सीखने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संदेशों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने गुजरात की पारंपरिक कला के अभिनय से गुजरात के इतिहास का स्मरण किया। इसके पश्चात भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने गुजरात के इतिहास, संस्कृति एवं सामाजिक विकास पर अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें राज्य के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान एवं महापुरुषों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राज्य गीत, कविता पाठ, पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियाँ (गरबा एवं डांडिया) तथा नुक्कड़ नाटक विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सभी प्रस्तुतियाँ गुजरात की संस्कृति एवं परंपराओं को समर्पित थीं, जिनमें विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. रुचिता चौधरी और डॉ. विनय द्वारा निर्मित विश्वविद्यालय की डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया।

गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर गृह विज्ञान की प्रो. तत्हीर फातिमा के द्वारा अटल सभागार में गुजरात की संस्कृति और स्वाद का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए गुजराती फूड स्टॉल्स थे। गृह विज्ञान विभाग के छात्रों ने अपनी पाक कला

का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रसिद्ध गुजराती व्यंजनों के स्टॉल लगाए। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शिक्षकों के साथ स्टॉल्स का भ्रमण किया और व्यंजनों का स्वाद चखा। कुलपति महोदय ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल सांस्कृतिक ज्ञान बढ़ाते हैं, बल्कि छात्रों में उद्यमिता (entrepreneurship) के कौशल को भी विकसित करते हैं।

स्थापना दिवस कार्यक्रम का संचालन डॉ धीरेन्द्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ नलिनी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो मसूद आलम, प्रो चंदना डे, प्रो सौबान सईद, कुलसचिव डॉ महेश कुमार, उपकुलसचिव मो सुहैल और डॉ पूनम चौधरी, डॉ राजकुमार सहित सभी शिक्षक, अधिकारी और विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

दिनांक-06/05/2026

भाषा विवि में सम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कुलपति ने किया निरीक्षण

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में संचालित सम सेमेस्टर परीक्षाओं की व्यवस्था का कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं, अनुशासन, प्रश्नपत्र वितरण प्रक्रिया तथा परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया गया।

कुलपति प्रो. तनेजा ने विभिन्न परीक्षा कक्षों का भ्रमण करते हुए विद्यार्थियों से संवाद किया और परीक्षा संबंधी अनुभवों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए परीक्षा नियंत्रक एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है कि परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न हों, जिससे विद्यार्थियों को एक निष्पक्ष वातावरण प्राप्त हो सके। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था तथा समयबद्ध प्रश्नपत्र वितरण की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक, केंद्राध्यक्ष एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने मिलकर परीक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में अपनी भूमिका निभाई। परीक्षा नियंत्रक विकास ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा के दौरान नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधियों से दूर रहें। वहीं केंद्राध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र त्रिपाठी ने बताया आज कुल 2326 विद्यार्थियों में से 2310 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। प्रो. त्रिपाठी के अनुसार सम सेमेस्टर की परीक्षाएं विश्वविद्यालय में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो रही हैं।

Press Release 2

Date-06/05/2026

भाषा विवि में शुरू हुई 11वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां

ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 11वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ हो गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समारोह को भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर आवश्यक जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजय तनेजा ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित शिक्षकों, अधिकारियों को निर्देश दिए कि समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं अतिथियों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है, जिसे गरिमामय और यादगार बनाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इस वर्ष आयोजित होने वाले 11वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, परास्नातक एवं शोध उपाधियों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं अन्य सम्मान भी प्रदान किए जाएंगे।

तैयारियों के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में साफ-सफाई, साज-सज्जा, सुरक्षा व्यवस्था, अतिथि स्वागत, मंच संचालन, तकनीकी प्रबंधन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत परिधान (गाउन) वितरण एवं रिहर्सल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। प्रो तनेजा ने बताया कि समारोह में प्रदेश एवं देश के कई विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिनकी उपस्थिति समारोह की गरिमा को और बढ़ाएगी। कार्यक्रम की तिथि एवं मुख्य अतिथि की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। अंत में कुलपति प्रो अजय तनेजा ने सभी संबंधित शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया, ताकि 11वां दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक एवं ऐतिहासिक रूप से आयोजित किया जा सके।

Date-11/05/2026

Press Release

भाषा विश्वविद्यालय में बी.टेक. साइबर सिक्योरिटी कोर्स शुरू, उद्योग सहयोग से मिलेगी आधुनिक तकनीकी शिक्षा

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा शैक्षिक सत्र 2026-27 से बी.टेक. साइबर सिक्योरिटी का नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जा रहा है। यह कोर्स अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित होगा तथा उद्योग सहयोग के अंतर्गत संचालित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह पाठ्यक्रम वर्तमान समय की बढ़ती साइबर सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें एथिकल हैकिंग, डिजिटल फॉरेंसिक, नेटवर्क सुरक्षा एवं साइबर थ्रेट एनालिसिस जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को इंटरनशिप एवं प्लेसमेंट के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। क्षेत्र में इस प्रकार का विशेषीकृत पाठ्यक्रम सीमित संस्थानों में ही उपलब्ध है, जिससे यह विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

कुलपति प्रो० अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ० सुमन कुमार मिश्रा ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी कोर्स विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण और नवीन कार्यक्रम है, जो क्षेत्र के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, बी.टेक. साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। सीमित सीटों वाले इस पाठ्यक्रम में इच्छुक अभ्यर्थी शीघ्र ही विश्वविद्यालय परिसर स्थित एडमिशन सेल से संपर्क कर सकते हैं अथवा विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

Date-12/05/2026

कैंसर उपचार में नई उम्मीद: KMCLU के सहायक प्रोफेसर कुणाल अगम कनौजिया का शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (KMCLU) के सहायक प्रोफेसर एवं युवा शोधकर्ता डॉ. कुणाल अगम कनौजिया ने अंतरराष्ट्रीय शोध जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। उनका शोध समीक्षा लेख प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्था Elsevier के हाई-इम्पैक्ट जर्नल International Journal of Pharmaceutics में प्रकाशित हुआ है, जो फार्मास्यूटिकल और नैनोमेडिसिन अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित माना जाता है। प्रकाशित शोध का शीर्षक है —

“Mesenchymal Stem Cell-Derived Exosome-Inspired Nanoformulations: A New Frontier in Targeted Cancer Therapy”

यह शोध कार्य Krishna Institute of Pharmacy तथा KMCLU के Faculty of Pharmacy के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ है।

इस शोध समीक्षा में कैंसर उपचार की आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों का गहन वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। विशेष रूप से Mesenchymal Stem Cell (MSC) से प्राप्त एक्सोसोम आधारित नैनोफॉर्म्युलेशन को कैंसर की लक्षित चिकित्सा (Targeted Therapy) के लिए एक प्रभावी एवं नवोन्मेषी रणनीति के रूप में रेखांकित किया गया है।

शोध के अनुसार, MSC-derived exosomes दवाओं को सीधे ट्यूमर कोशिकाओं तक पहुंचाने की क्षमता रखते हैं, जिससे पारंपरिक उपचार में होने वाले दुष्प्रभाव, सिस्टमिक टॉक्सिसिटी और ड्रग रेजिस्टेंस जैसी गंभीर चुनौतियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

लेख में ट्यूमर टारगेटिंग, रिसेप्टर-मीडिएटेड ड्रग डिलीवरी, इम्यून एस्केप, बायोइंजीनियरिंग तकनीकें, एक्सोसोम-मिमेटिक नैनो कैरियर्स तथा RNA आधारित उपचार पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। साथ ही बड़े स्तर पर उत्पादन, मानकीकरण और नियामक (Regulatory) चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का भी वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है।

डॉ. कनौजिया के अनुसार, यह शोध समीक्षा एक्सोसोम आधारित नैनो तकनीकों की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को एकीकृत रूप में प्रस्तुत करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह तकनीक प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी और नैनोमेडिसिन के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान करेगी तथा कैंसर उपचार को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षकों और शोधार्थियों ने डॉ. कनौजिया को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय, फार्मेसी संकाय और शोध समुदाय के लिए गर्व का विषय बताया है।

Date-13/05/2026

भाषा विवि के छात्र ने सैमसंग इनोवेशन में लहराया परचम

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के एमसीए छात्र मोहम्मद सफदर अंसारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) श्रेणी में SIC फेज-III के स्टेट टॉपर का गौरव प्राप्त किया है।

Samsung Innovation Campus कार्यक्रम के अंतर्गत Electronics Sector Skills Council of India द्वारा घोषित परिणामों में भाषा विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष और गौरव का वातावरण है। भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किए जाने के बाद यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। कार्यक्रम के समापन एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय श्री योगेंद्र उपाध्याय जी द्वारा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया था। ESCCI द्वारा जारी सूचना के अनुसार मोहम्मद सफदर अंसारी को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि, लैपटॉप तथा Samsung के गुरुग्राम मुख्यालय एवं Samsung Research Institute के शैक्षणिक भ्रमण का अवसर प्रदान किया जाएगा।

भाषा विवि के माननीय कुलपति प्रो अजय तनेजा ने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों के कौशल विकास, नवाचार और उद्योगोन्मुखी शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। प्रो तनेजा ने बताया कि यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि उद्योग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को नई तकनीकों एवं रोजगारपरक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भाषा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने मोहम्मद सफदर अंसारी को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

Date-14/05/2026

पाण्डुलिपियाँ हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर: प्रो अजय तनेजा

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार द्वारा अपने 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर “भारतीय ज्ञान परम्परा में पाण्डुलिपियों का महत्व एवं भावी पीढ़ी के लिए उपयोगिता” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन अभिलेखागार के लखनऊ कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा रहे। अपने उद्घाटन संबोधन में प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि पाण्डुलिपियाँ हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारत में पाण्डुलिपियों की परम्परा लगभग छह हजार वर्ष पुरानी है, जिसमें भारतीय सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान की गौरवशाली विरासत सुरक्षित है।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में वक्ताओं ने पाण्डुलिपियों एवं अभिलेखों के संरक्षण, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा युवा पीढ़ी की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किये। प्रो. सुमन मिश्रा ने कहा कि अभिलेखागार राष्ट्र की स्मृति संस्थाएँ हैं तथा इनके संरक्षण हेतु युवाओं को आगे आना चाहिए। डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय ने प्राचीन पाण्डुलिपियों को भारत की दृष्टि बताते हुए कहा कि मूल्य आधारित शिक्षा के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा से सीखना आवश्यक है। प्रो. अरुण कुमार यादव ने अपने व्याख्यान में कहा कि पाण्डुलिपियाँ समाज को ऋषि-मुनियों एवं मनीषियों की परम्परा से जोड़ती हैं। उन्होंने बताया कि बौद्ध ग्रंथ ललित विस्तर में 64 लिपियों का उल्लेख मिलता है तथा प्रथम बौद्ध ग्रंथ त्रिपिटक श्रीलंका में सिंहली लिपि में लिखा गया था। आज भी अनेक बौद्ध पाण्डुलिपियाँ सुरक्षित हैं, जिन पर शोध कार्य

निरंतर जारी है. द्वितीय सत्र में डॉ. सत्यकेतु ने कहा कि पाण्डुलिपियाँ ज्ञान-संरक्षण के महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं तथा इनके संवर्धन एवं संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। डॉ. दीप्ति जायसवाल ने कहा कि मध्यकालीन पाण्डुलिपियाँ इतिहास एवं शासन व्यवस्था को समझने का महत्वपूर्ण आधार हैं।

प्रो. अनिल कुमार तथा डॉ. सौरभ मिश्रा ने भारत सरकार द्वारा संचालित “ज्ञान भारतम् मिशन” की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से देशभर की पाण्डुलिपियों को डिजिटल माध्यम से जनसामान्य तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाण्डुलिपियाँ भारतीय ज्ञान परम्परा एवं ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखने में अहम भूमिका निभा रही हैं। संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लगभग 150 छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम के अंत में निदेशक श्री अमित कुमार अग्निहोत्री एवं सहायक निदेशक संरक्षण श्री विजय कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

Date-15/06/2026

भाषा विश्वविद्यालय में दो पालियों में 25 परीक्षार्थी अनुचित साधनों के प्रयोग में पकड़े गए

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित सेमेस्टर परीक्षाएँ शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी वातावरण में दो पालियों में संपन्न हुई। परीक्षा की समस्त व्यवस्थाएँ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में प्रभावी ढंग से संचालित की गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षाओं के दौरान सतर्क निगरानी, निरीक्षण दलों की सक्रियता तथा परीक्षा कक्षों में अनुशासन बनाए रखने हेतु विशेष प्रबंध किए गए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

प्रथम पाली में आयोजित परीक्षा में कुल 1095 परीक्षार्थियों ने सहभागिता की। परीक्षा के दौरान निरीक्षण टीम द्वारा 9 परीक्षार्थियों को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया। वहीं द्वितीय पाली में कुल 966 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें 16 परीक्षार्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए गए। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 25 परीक्षार्थियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी परीक्षा की गरिमा बनाए रखने हेतु कठोर कदम निरंतर जारी रहेंगे। परीक्षा केंद्राध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र त्रिपाठी ने स्पष्ट कहा है कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं गुणवत्ता बनाए रखना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले परीक्षार्थियों के विरुद्ध विश्वविद्यालय की नियमावली एवं परीक्षा आचार संहिता के अनुरूप आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

Date-16/05/2026

भाषा विवि के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मिली सत्र 2026-2027 में AICTE से मान्यता

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित सभी पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) से स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप यह सफलता प्राप्त हुई है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने कुलपति प्रो. अजय तनेजा के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। वहीं फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. आर. के. त्रिपाठी ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। विश्वविद्यालय के AICTE नोडल अधिकारी डॉ. सैयद असगर हुसैन रिजवी ने जानकारी देते हुए बताया कि AICTE द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न तकनीकी एवं इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को सत्र 2026-27 के लिए मान्यता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा एवं बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी। इस वर्ष विश्वविद्यालय में कई नए एवं आधुनिक पाठ्यक्रमों को भी AICTE की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:-

बी.टेक. ऑटोमेशन एंड रोबोटिक्स

एम.टेक. मेकैट्रॉनिक्स

एम.टेक. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग)

एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग

एम.टेक. बायोटेक्नोलॉजी

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने बताया कि इन नए पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ शोध, नवाचार एवं उद्योग जगत में बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

Date-16/05/2026

भाषा विश्वविद्यालय में जनगणना अभियान को मिला बढ़ावा, कुलपति सहित अधिकारियों ने स्वयं गणना कर लोगों को किया प्रेरित

लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनगणना अभियान के अंतर्गत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में जागरूकता और सहभागिता का सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. हेमंत सिंह, डॉ. उधम सिंह एवं डॉ. नीरज शुक्ला उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने स्वयं गणना प्रक्रिया में भाग लेते हुए न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाई, बल्कि अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक और प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि जनगणना केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास की आधारशिला है। अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए यह सुनिश्चित किया कि अधिक से अधिक लोग इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ें।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, “जनगणना देश की योजनाओं और नीतियों के निर्माण का आधार होती है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। विश्वविद्यालय परिवार का कर्तव्य है कि वह न केवल स्वयं इसमें भाग ले, बल्कि समाज को भी इसके लिए प्रेरित करे।”

उन्होंने आगे कहा कि सटीक और व्यापक आंकड़े ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के बेहतर विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार जनगणना के माध्यम से राज्य की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और संसाधनों का विस्तृत डेटा एकत्र कर रही है, ताकि भविष्य की योजनाओं को अधिक प्रभावी और लक्षित बनाया जा सके। इस अभियान के जरिए सरकार का उद्देश्य हर व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और विकास को गति देना है। विश्वविद्यालय में हुए इस प्रयास की व्यापक सराहना की जा रही है, क्योंकि इससे समाज में जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। खास बात ये है की विश्वविद्यालय स्तर पर इसको लेकर जोर शोर से कार्य चल रहा है

Date-18/05/2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रधानमंत्री की अपील पर भाषा विश्वविद्यालय की त्वरित पहल, ऊर्जा एवं ईंधन बचत के लिए जारी किए गए निर्देश

लखनऊ, 18 मई 2026।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों एवं विभिन्न देशों के बीच जारी तनाव के कारण उत्पन्न हालातों को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से पेट्रोल-डीजल, बिजली एवं अन्य ऊर्जा संसाधनों के संयमित उपयोग की अपील की गई है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी इस दिशा में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

इन निर्देशों को गंभीरता से लेते हुए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने तत्काल प्रभाव से विश्वविद्यालय स्तर पर ठोस कदम उठाए हैं। उनके निर्देशन में विश्वविद्यालय प्रशासन ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं समस्त स्टाफ के लिए तीन महत्वपूर्ण श्रेणियों में निर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण, ईंधन की बचत एवं संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना है।

प्रमुख निर्देश इस प्रकार हैं:

1. विद्युत बचत संबंधी निर्देश:

- * विद्युत उपकरणों का न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए।
- * कार्यालय छोड़ते समय सभी स्विच बंद किए जाएं।
- * एसी का तापमान 25-26 डिग्री पर रखा जाए।
- * लिफ्ट के स्थान पर सीढ़ियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए।

2. ईंधन बचत हेतु परिवहन संबंधी निर्देश:

- * कार पूलिंग एवं टू-व्हीलर पूलिंग को अपनाया जाए।
- * यथासंभव सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया जाए।
- * साइकिल एवं ई-रिक्शा जैसे वैकल्पिक साधनों को बढ़ावा दिया जाए।

3. यात्रा एवं संसाधन उपयोग संबंधी निर्देश:

- * अनावश्यक यात्रा से बचा जाए।
- * विदेश यात्राओं को सीमित किया जाए।
- * आवश्यक यात्रा के दौरान निजी वाहनों के बजाय ट्रेन जैसे सार्वजनिक साधनों को प्राथमिकता दी जाए।

माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने स्वयं भी इन निर्देशों का पालन करते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है और सभी से अपील की है कि राष्ट्रहित में ऊर्जा संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इन छोटे-छोटे प्रयासों से न केवल पेट्रोल-डीजल एवं बिजली की बचत होगी, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती एवं सतत विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

Date-19/05/2026

फेफड़ों की गंभीर बीमारी सिस्टिक फाइब्रोसिस के उपचार में बड़ी उपलब्धि, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुणाल अगम कनौजिया को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

लखनऊ

फेफड़ों की गंभीर एवं जटिल बीमारी सिस्टिक फाइब्रोसिस (Cystic Fibrosis) के उपचार को लेकर भारतीय वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में कार्यरत सहायक प्रोफेसर *डॉ. कुणाल अगम कनौजिया* की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनका शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन समूह *स्प्रिंगर नेचर* की जर्नल में प्रकाशित हुआ है, जिसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। प्रकाशित शोध पत्र में वैज्ञानिकों ने एक अत्याधुनिक नैनो टेक्नोलॉजी आधारित ड्रग डिलीवरी सिस्टम विकसित किया है। यह प्रणाली दवा को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाने में सक्षम है, जिससे उपचार की प्रभावशीलता बढ़ने के साथ-साथ शरीर के अन्य अंगों पर होने वाले दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है। शोध में विकसित PLGA आधारित नैनोपार्टिकल्स को विशेष रूप से चिटोसान और सेल मेम्ब्रेन से कोट किया गया, जिससे दवा की लक्षित पहुंच, स्थिरता और नियंत्रित रिलीज क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। शोधकर्ताओं के अनुसार यह तकनीक दवा *Lumacaftor* को प्रभावित फेफड़ों तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो सकती है। इसके साथ ही यह प्रणाली फेफड़ों में दवा की उपस्थिति को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सक्षम है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह शोध भविष्य में सिस्टिक फाइब्रोसिस के साथ-साथ अन्य गंभीर श्वसन रोगों के उपचार में भी नई संभावनाएं खोल सकता है। अध्ययन के दौरान विकसित नैनोकैरियर प्रणाली ने बेहतर बायोएवेलिबिलिटी, नियंत्रित दवा रिलीज और लक्षित उपचार क्षमता का सफल प्रदर्शन किया। यह शोध कार्य *बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ* के प्रो. *पी. एस. रजनीकांत* के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शोध में *ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ; बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ; यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा (अमेरिका); यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट (अमेरिका); संजय गांधी पीजीआई, लखनऊ; एनआईपीआईआर हैदराबाद तथा एम.एस. रामैया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु* के वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। डॉ. कुणाल अगम कनौजिया ने बताया कि आधुनिक नैनोमेडिसिन आधारित यह शोध मरीजों को अधिक सुरक्षित, प्रभावी और लक्षित उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तकनीक पर विस्तृत प्रीक्लिनिकल एवं क्लिनिकल अध्ययन किए जाएंगे, जिससे इसे चिकित्सकीय उपयोग के लिए और अधिक विकसित किया जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने डॉ. कुणाल अगम कनौजिया की इस उपलब्धि को संस्थान के लिए गौरवपूर्ण

बताते हुए कहा कि युवा शोधकर्ताओं द्वारा किए जा रहे ऐसे उच्चस्तरीय शोध विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने डॉ. कनौजिया की शोध क्षमता, नवाचार आधारित कार्यशैली एवं फार्मास्युटिकल रिसर्च के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

Date-20/05/2026

भाषा विश्वविद्यालय में ग्रीष्मावकाश घोषित, चलते रहेंगे प्रशासनिक और प्रवेश कार्य

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025–26 के अंतर्गत ग्रीष्मावकाश की घोषणा कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिक्षकों हेतु ग्रीष्मावकाश दिनांक 21 मई 2026 से 20 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। यह निर्णय माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रीष्मावकाश के दौरान विश्वविद्यालय के समस्त कार्यालय पूर्ववत् खुले रहेंगे तथा नियमित रूप से कार्य करते रहेंगे। प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा संबंधी कार्य, परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ, वित्तीय कार्य तथा अन्य आवश्यक विभागों का कार्य निर्बाध रूप से संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आगामी शैक्षिक सत्र की तैयारियों को लेकर भी विभिन्न विभागों द्वारा योजनाबद्ध कार्य किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आवश्यक सेवाएँ सामान्य रूप से संचालित होती रहेंगी तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

इस संबंध में कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आगामी सत्र की तैयारियों में सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की है।

Date-20/05/2026

आईकेएस पहल के तहत केएमसीएलयू के छात्र-छात्राओं ने देखी 'कृष्णावतारम भाग-1: हृदयम' फिल्म

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा के निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय की इंडियन नॉलेज सिस्टम (IKS) पहल के अंतर्गत आज बॉयज़ हॉस्टल एवं गर्ल्स हॉस्टल के छात्र-छात्राओं को सहारागंज स्थित पीवीआर सिनेमा में फिल्म **“कृष्णावतारम भाग-1: हृदयम”** के प्रदर्शन हेतु ले जाया गया। इस पहल का समन्वयन आईकेएस कोऑर्डिनेटर डॉ. नीरज शुक्ला द्वारा किया गया।

“कृष्णावतारम भाग-1: हृदयम” एक पौराणिक, भक्तिमय एवं नाटकीय फिल्म है, जिसका निर्देशन हार्दिक गज्जर द्वारा किया गया है। 7 मई 2026 को रिलीज़ हुई यह फिल्म भगवान श्रीकृष्ण की राधा से वियोग के बाद द्वारका से कुरुक्षेत्र तक की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें उनकी पत्नियों रुक्मिणी और सत्यभामा के साथ उनके संबंधों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। लगभग 2 घंटे 29 मिनट की अवधि वाली यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है।

फिल्म में सिद्धार्थ गुप्ता ने भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाई है, जबकि सत्यभामा के रूप में संस्कृति जयना, राधा के रूप में सुष्मिता भट्ट और रुक्मिणी के रूप में निवासिनी कृष्णन ने प्रभावशाली अभिनय किया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित करता है। इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों को सांस्कृतिक मूल्यों की समझ के साथ-साथ सकारात्मक अनुभव एवं नई ऊर्जा प्राप्त होती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संबंधित अधिकारी एवं टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

Date-22/05/2026

भाषा विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने बनाया 100% प्लेसमेंट का रिकॉर्ड

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने इस वर्ष एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए शत-प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड स्थापित किया है। विभाग के अंतिम वर्ष के चार और विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी Whirlpool Corporation, पुणे में आकर्षक पैकेज पर चयन हुआ है।

चयनित विद्यार्थियों में राम सिंह, अब्दुल्ला अंसारी, सद्दाम हुसैन एवं सौरव यादव शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस सफलता से विश्वविद्यालय परिसर में हर्ष का वातावरण है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सैय्यद असगर रिज़वी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विभाग की गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था का परिणाम है। उन्होंने इस अवसर पर ये प्लेसमेंट प्रक्रिया प्रदान करने वाली कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की डॉ शान ए फ़ातिमा के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजय तनेजा ने चयनित विद्यार्थियों एवं विभाग को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उत्कृष्ट रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

विश्वविद्यालय परिवार ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

Date-25/06/2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश

विधि संकाय में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जून, 100% प्लेसमेंट के साथ छात्रों में बढ़ी रुचि

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का विधि संकाय (Faculty of Legal Studies) आज प्रदेश के उभरते हुए प्रमुख विधि संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। वर्ष 2021 में स्थापित यह संकाय शुरुआत से ही गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा, शोध एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

संकाय में वर्तमान में LL.M., LL.B. एवं B.A. LL.B. जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिन्हें बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) की मान्यता प्राप्त है। यहां का शैक्षणिक वातावरण छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रायोगिक अनुभव भी प्रदान करता है, जिससे वे एक सफल विधि विशेषज्ञ के रूप में उभरते हैं।

विधि संकाय की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्याधुनिक मूट कोर्ट हॉल है, जहां छात्र वास्तविक न्यायालय जैसी परिस्थितियों में अभ्यास करते हैं। इसके साथ ही संकाय में वाई-फाई सुविधा, समृद्ध विभागीय एवं केंद्रीय पुस्तकालय उपलब्ध हैं, जो छात्रों की शोध क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

छात्रों के समग्र विकास के लिए संकाय में फ्री लीगल एड क्लिनिक संचालित किया जाता है। साथ ही, छात्रों को हाई कोर्ट, जिला न्यायालय एवं जेल विजिट जैसे शैक्षणिक भ्रमणों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है। वर्तमान में विभाग में 450 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं और संकाय का सबसे उल्लेखनीय पहलू 100% प्लेसमेंट का रिकॉर्ड है, जिससे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की राह सुनिश्चित होती है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्र-छात्राएं समय रहते आवेदन कर लें। प्रवेश के लिए छात्र विश्वविद्यालय के एडमिशन हेल्पडेस्क पर संपर्क कर सकते हैं या विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भी आवेदन कर सकते हैं।

Date-25/06/2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान, कुलपति ने दी बधाई

लखनऊ, 25 मई 2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को प्रकृति और प्राकृतिक विज्ञान पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (*2nd International Conference on Nature and Natural Sciences - ICNS 2026*) में प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाउंडेशन (ABRF)* द्वारा सिक्किम एल्पाइन यूनिवर्सिटी, नामची (सिक्किम), भारत के साथ आपसी सहयोग से २४ मई २०२६ को आयोजित किया गया था, जिसका आयोजन स्थल सिक्किम एल्पाइन यूनिवर्सिटी रहा।

इन शिक्षकों को मिला सम्मान:

* ***डॉ. नलिनी मिश्रा**, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र विभाग को पर्यावरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए *'पर्यावरण श्री सम्मान' (Paryavaran Shri Samman)** से विभूषित किया गया।

* ***डॉ. राज कुमार सिंह*** लीगल स्टडीज, (इतिहास) विभाग को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके निरंतर और अतुलनीय योगदान के लिए *'आउटस्टैंडिंग सोशल सर्विसेज अवार्ड' (Outstanding Social Services Award)* प्रदान किया गया।

शिक्षकों की इस शानदार सफलता पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति *प्रोफेसर अजय तनेजा* ने दोनों संकाय सदस्यों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने संदेश में कहा: *"**डॉ. नलिनी मिश्रा और डॉ. राज कुमार सिंह** की यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। हमारे शिक्षकों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय न केवल अकादमिक क्षेत्र में बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।"

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी दोनों शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

Date-

माननीय विधायकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव, भाषा विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की बनी रूपरेखा

लखनऊ

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित एक महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय सभा की बैठक में माननीय विधायक श्री योगेश वर्मा एवं श्री अंगद कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, डीन एकेडमिक्स प्रो. सऊबान सईद, प्रॉक्टर डॉ. नीरज शुक्ला, डिप्टी रजिस्ट्रार मोहम्मद साहिल एवं असिस्टेंट रजिस्ट्रार श्री लक्ष्मीकांत मिश्रा, डॉ. राजकुमार, डॉ. काजिम रिजवी और श्री मोहसिन हैदर भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान माननीय विधायक श्री अंगद कुमार सिंह ने छात्रों की छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि अभी सभी छात्रों को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति नहीं मिल पा रही है, जिसे सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से अपेक्षा की कि वह अपने स्तर से आवश्यक प्रयास कर स्थिति से अवगत कराए, ताकि शासन स्तर पर भी पहल करते हुए छात्रवृत्ति को 100 प्रतिशत सुनिश्चित कराया जा सके।

वहीं माननीय विधायक श्री योगेश वर्मा ने विश्वविद्यालय में खेल मैदान (स्पोर्ट्स ग्राउंड) के अभाव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल सुविधाएं अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय से इस दिशा में पहल करने को कहा तथा आश्वासन दिया कि वे माननीय मुख्यमंत्री जी से विश्वविद्यालय के निकट स्थित उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में वार्ता करेंगे, ताकि एक समुचित स्पोर्ट्स ग्राउंड विकसित किया जा सके।

इस अवसर पर यह भी उल्लेखनीय रहा कि दोनों ही विधायक विश्वविद्यालय कोर्ट (यूनिवर्सिटी सभा) के सदस्य हैं। उन्होंने स्वयं इच्छा व्यक्त की कि वे विश्वविद्यालय में आकर छात्रों से सीधे संवाद करना चाहते हैं, उन्हें अपने अनुभवों के आधार पर मार्गदर्शन देना चाहते हैं तथा समय-समय पर कक्षाएं लेकर छात्रों के साथ जुड़ना चाहते हैं। साथ ही, उन्होंने छात्रों के भविष्य को लेकर विभिन्न योजनाओं एवं फ्यूचर प्लानिंग पर भी विस्तार से चर्चा करने की बात कही।

विधायकगण ने यह भी कहा कि भविष्य में आयोजित होने वाली बैठकों में उन्हें आमंत्रित किया जाए, क्योंकि पूर्व में उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कुलपति प्रो. अजय तनेजा के अथक प्रयासों से ही यह महत्वपूर्ण बैठक संभव हो सकी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दीक्षांत

समारोह जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों में अब तक केवल औपचारिक रूप से पत्र भेजे जाते थे, लेकिन आगे से उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रित किया जाए, ताकि वे भी ऐसे कार्यक्रमों में सहभागिता कर सकें। बैठक के दौरान कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने भी शैक्षणिक गुणवत्ता, अधोसंरचना विकास एवं छात्र-हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

पूरी बैठक का वातावरण अत्यंत सकारात्मक एवं रचनात्मक रहा। विधायकगण की ओर से प्राप्त विभिन्न महत्वपूर्ण सुझावों पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने गंभीरता से विचार करते हुए उन्हें अपने स्तर पर यथासंभव शीघ्र क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

अंत में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने माननीय विधायकों का विश्वविद्यालय आगमन एवं उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

Date

भाषा विवि की रोवर्स टीम ने किया राज्य स्तरीय साहसिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की रोवर्स टीम ने भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तराखंड के रमणीय पर्वतीय क्षेत्र शीतलाखेत, अल्मोड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट सहभागिता करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा की प्रेरणा, संरक्षण एवं मार्गदर्शन में तथा नोडल अधिकारी डॉ. उधम सिंह एवं इंचार्ज रोवर्स डॉ. मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम ने इस साहसिक अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया। यह राज्य साहसिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, साहस, टीम भावना तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पर्वतीय ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, प्राकृतिक आपदाओं से बचाव, सामूहिक नेतृत्व, कैम्पिंग एवं विभिन्न साहसिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाई। विश्वविद्यालय के रोवर्स ने इन गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा, दक्षता एवं अनुशासित कार्यशैली का परिचय दिया। कार्यक्रम से सफलतापूर्वक लौटने के उपरान्त विश्वविद्यालय परिसर में प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी प्रतिभागी रोवर्स को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उनके साहस, समर्पण एवं अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के साहसिक एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में कुलसचिव डॉ. महेश कुमार एवं वित्त अधिकारी श्री संजीव गुप्ता ने भी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के अकादमिक विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण एवं नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, गौरव एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा। विश्वविद्यालय परिवार ने रोवर्स टीम की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री विकास पुनः बने भाषा विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक, डॉ. महेश कुमार का हुआ स्थानांतरण

लखनऊ, 25 मई 2026।

उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के क्रम में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में श्री विकास को पुनः परीक्षा नियंत्रक (Controller of Examination) के पद पर नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व श्री विकास भाषा विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर तैनात थे। तत्पश्चात उनका स्थानांतरण काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही में कर दिया गया था। हालांकि, शासन द्वारा उनके स्थानांतरण आदेश को निरस्त करते हुए एक बार फिर उन्हें भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में परीक्षा नियंत्रक के पद पर नियुक्त किया गया है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार का स्थानांतरण काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही में कर दिया गया है। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने नवीन दायित्वों का कार्यभार ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस निर्णय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि इससे परीक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने में सहायता मिलेगी।

31 मई तक करें आवेदन: भाषा विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित फार्मेसी संकाय में प्रवेश प्रारम्भ

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फार्मेसी संकाय में संचालित बी.फार्म एवं डी.फार्म पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 31 मई 2026 तक पंजीकरण कर सकते हैं। दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटें उपलब्ध हैं। वर्तमान में संकाय में 250 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जो इसकी गुणवत्ता एवं लोकप्रियता को दर्शाता है।

संकाय में उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं समृद्ध शोध अनुभव वाले प्राध्यापकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लासरूम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित रिसर्च लैब में व्यावहारिक एवं अनुसंधान आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। यहाँ के शिक्षक एवं शोधार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के उच्च प्रभाव वाले जर्नल्स में निरंतर शोध प्रकाशन कर रहे हैं। फार्मेसी संकाय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रमीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें अनुसंधान कौशल, औद्योगिक अनुभव एवं नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण बनाना है, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सफल हो सकें। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु औद्योगिक भ्रमण, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विविध शैक्षणिक गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाता है। संकाय द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित फार्मास्यूटिकल कंपनियों में कैम्पस प्लेसमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों का आयोजन भी नियमित रूप से किया जाता है। इसी क्रम में 17 से 19 नवम्बर 2025 तक “ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एवं ड्रग डिलीवरी” विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय एवं ड्रग मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन के मध्य हुए MoU के अंतर्गत अत्याधुनिक रिसर्च लैब की स्थापना की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को उद्योग जगत से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। फार्मेसी संकाय सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व कैंसर दिवस एवं विश्व टीबी दिवस जैसे अवसरों पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, विशेषज्ञ व्याख्यान एवं एचपीवी टीकाकरण जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। संकाय का संकल्प है कि यहाँ से शिक्षित विद्यार्थी तकनीकी दक्षता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय मूल्यों से युक्त सक्षम फार्मासिस्ट बनकर देश की स्वास्थ्य सेवाओं एवं औषधि उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दें। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर विजिट कर सकते हैं अथवा विश्वविद्यालय हेल्प डेस्क से संपर्क कर सकते हैं।

